>

Title : Need to make arrangements for "Kumbh Mela", to be celebrated in February, 2010 in Haridwar, Uttarakhand.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान प्रत्येक 12 वर्ष के बाद देश के चार प्रमुख स्थानों पर लगने वाले सनातन धर्म के प्रमुख महाकुंभ मेले की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। हर 12 वर्ष में चार स्थानों, प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में महाकुंभ का आयोजन होता है। अगले वर्ष 2010 में मकर संक्राति के बाद महाकुंभ का यह पर्व पड़ेगा। इसमें सनातन धर्म के सभी संप्रदायों के पंथों के लगभग 6 से 8 करोड़ श्रृद्धालुजन इस अवसर पर गंगा स्नान करेंगे और इन तीर्थ स्थलों पर आएंगे।

महोदया, वर्ष 2003-04 में हरिद्वार में अद्र्व कुंभ था। तत्कालीन केंद्र सरकार ने कुंभ मेले की व्यवस्था के लिए 100 करोड़ रूपए उत्तराखंड सरकार को उपलब्ध करवाये थे। यह अगले वर्ष जनवरी माह से प्रारंभ होगा, लेकिन यह अत्यंत दुखद है कि अभी तक भारत सरकार की ओर से कोई भी सहायता इस संबंध में उपलब्ध नहीं करायी गयी है। उत्तराखंड सरकार ने भारत सरकार से 500 करोड़ रूपए की मांग की है। 6 से 8 करोड़ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरकार क्या करने जा रही है और वह कितनी गंभीर है, यह सचमुच एक सोचनीय स्थिति है। जबकि राष्ट्रमंडल खेलों के लिए, जो खेल का एक बड़ा आयोजन इस देश के अंदर होने जा रहा है, यह अगले वर्ष होना है, 3472 करोड़ रूपए भारत सरकार ने उपलब्ध करवाये हैं। इसी प्रकार पूरे देश और दुनिया से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन हरिद्वार में उपस्थित होंगे। उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए, उन्हें सुरक्षित उन तीर्थ स्थलों का भ्रमण करवाने के लिए सुविधा उपलब्ध हो सके, इसके लिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करूंगा कि उत्तराखंड सरकार की मांग पर विचार किया जाए और तत्काल 500 करोड़ रूपए कुंभ मेले की व्यवस्था के लिए उपलब्ध कराये जाएं।

-